|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | |  | | --- | |  | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | http://eoffice.dusit.ac.th/VDRPhEul/memo-220046-242.GIFhttp://eoffice.dusit.ac.th/VDRPhEul/speed1.gif | **บันทึกข้อความ** |  | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | **ส่วนราชการ** |  | กองกลาง โทร.๕๐๔๐ | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | **ที่** | สนอ. ๑๔๐๔/๒๕๕๗ | | |  |  |  | | --- | --- | --- | |  | **วันที่** | ๘ กรกฎาคม ๒๕๕๗ | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | **เรื่อง** |  | ให้บุคลากรช่วยงานอธิการบดี | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  | | --- | --- | |  | | | เรียน | คณบดีคณะมนุษยศาสตร์และสังคมศาสตร์ |  |  | | --- | |  | | ด้วย มหาวิทยาลัยราชภัฏสวนดุสิต มีความประสงค์ใช้ศักยภาพบุคลากรของมหาวิทยาลัยที่มีความรู้ความสามารถทาง ด้านต่างๆ มาร่วมกลุ่มเพื่อทำงานพัฒนามหาวิทยาลัย จึงมีความประสงค์ให้ ผศ.บุญญลักษณ์ ตำนานจิตร อาจารย์ประจำคณะมนุษยศาสตร์และสังคมศาสตร์ ช่วยงานอธิการบดีใน "กลุ่มอาสาพัฒนาสวนดุสิต ๑" ระหว่างวันที่ ๓ กรกฎาคม – ๓๐ กันยายน ๒๕๕๗ โดยยังคงปฏิบัติหน้าที่ของต้นสังกัดเป็นงานหลัก และงานกลุ่มอาสาพัฒนาสวนดุสิต ๑ เป็นงานเพิ่มเติม  จึงเรียนมาเพื่อโปรดทราบ | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://eoffice.dusit.ac.th/VDRPhEul/Signature-1149.JPG | | (ผู้ช่วยศาสตราจารย์ ดร.พิทักษ์ จันทร์เจริญ) | | อธิการบดีมหาวิทยาลัยราชภัฏสวนดุสิต | | 08ก.ค.57 เวลา 19:29:17 Non-PKI Server Sign | | Signature Code : MwA1A-DYAMg-A5ADM-AQgA1 | | | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | **1** | | |  | | --- | | เรียน คณบดี  มหาวิทยาลัย มีความประสงค์ให้ ผศ.บุญญลักษณ์ ตำนานจิตร ช่วยงานอธิการบดี เสนอเพื่อโปรดทราบ | | |  | | --- | | http://eoffice.dusit.ac.th/VDRPhEul/Signature-1093.JPG (นางสาวยุคนธร ปรีวรรณ) รักษาการในตำแหน่งหัวหน้าสำนักงานคณบดี คณะมนุษยศาสตร์และสังคมศาสตร์ 09ก.ค.57 เวลา 14:41:30 , Non-PKI Server Sign Signature Code : QwAxA-EMARg-AzADM-AQgA4 | | | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | **2** | | |  | | --- | | แจ้งผศ.บุญญลักษณ์ทราบ | | |  | | --- | | http://eoffice.dusit.ac.th/VDRPhEul/Signature-2182.JPG (ดร.ฉัตรแก้ว เภาวิเศษ) คณบดีคณะมนุษยศาสตร์และสังคมศาสตร์ 10ก.ค.57 เวลา 07:56:19 , Non-PKI Server Sign Signature Code : MQA3A-DYAMQ-A0AEU-AMwA1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |